

Supplementary Demands for Grants (Railways), 1981-82 Voted by Lok Sabha

No. of Demand	Name of Demand	Amount of Demand for Grants voted by the House
1	2	3
		Rs.
2	Miscellaneous Expenditure (General)	3,00,000
3	General Superintendence and Services	9,25,00,000
4	Repairs and Maintenance of Permanent Way and Works	26,44,53,000
5	Repairs and Maintenance of Motive Power	11,85,94,000
6	Repairs and Maintenance of Carriages and Wagons	28,61,52,000
7	Repairs and Maintenance of Plant and Equipment	11,31,44,000
8	Operating Expenses—Rolling Stock and Equipment	8,30,81,000
9	Operating Expenses—Traffic	11,38,15,000
10	Operating Expenses—Fuel	55,07,70,000
11	Staff Welfare and Amenities	8,59,96,000
12	Miscellaneous Working Expenses	17,95,03,000
16	Assets—Acquisition, Construction and Replacement Other Expenditure	369,74,76,000

APPROPRIATION *(RAILWAYS)
NO. 6 BILL, 1981

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI KEDAR PANDAY): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill to provide for the authorisation of appropriation of moneys out of the Consolidated Fund of India to meet the amounts spent on certain services for the purposes of Railways during the financial year ended on the 31st day of March, 1980, in excess of the amounts granted for those services and for that year.

MR. DEPUTY-SPEAKER: The question is:

“That leave be granted to introduce a Bill to provide for the authorisation of appropriation of moneys out of the Consolidated Fund of

India to meet the amounts spent on certain services for the purposes of Railways during the financial year ended on the 31st day of March, 1980, in excess of the amounts granted for those services and for that year.”

The motion was adopted.

SHRI KEDAR PANDAY: I introduce the Bill.

Sir, I beg to move:†

“That the Bill to provide for the authorisation of appropriation of moneys out of the Consolidated Fund of India to meet the amounts spent on certain services for the purposes of Railways during the financial year ended on the 31st day of March, 1980, in excess of the amounts granted for those services

*Published in Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 2, dated 15-12-1981.

†Introduced/Moved with the recommendation of the President.

and for that year, be taken into consideration".

MR. DEPUTY-SPEAKER: Motion moved:

"That the Bill to provide for the authorisation of appropriation of moneys out of the Consolidated Fund of India to meet the amounts spent on certain services for the purposes of Railways during the financial year ended on the 31st day of March, 1930, in excess of the amounts granted for those services and for that year, be taken into consideration."

I have received intimation from three hon. Members of their intention to speak on the Appropriation Bill relating to Supplementary or Excess Demands, Railway Budget. In this regard, I would remind the members that such intimation should have been sent by 10 A.M. so that the Minister of Railways could find out the position in respect of the points sought to be raised by the members.

I would also invite the attention of hon. Members to sub-rule (6) of rule 218 and would like the members to confine their remarks to the subject matter of the present Demands.

Shri Ramavtar Shastri.

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : उपाध्यक्ष जी, पांडे जी ने बहुत हंसने के लहजे में नारी बातों का यहाँ पर जिक्र किया है। उन्होंने माल भाड़े में जो वृद्धि की है उसका मैं जोरदार विरोध करता हूँ लेकिन मुझे इस समय दूसरे प्रश्नों पर ही बोलना है।

MR. DEPUTY-SPEAKER: You have not given that subject. You have given only two subjects. Please stick to these two subjects. Otherwise, he will not be able to reply to you.

श्री रामावतार शास्त्री : पहली बात तो यह है कि पटना बिहार की राजधानी है; वहाँ पर बहुत दिनों से मांग चल रही है कि रेलवे का निर्माण किया जाए। इस में आप पटना के साथ इधर गया को ले लीजिए दक्खिन में, पूरब में मुकामा या क्यूल और उधर पश्चिम में ले लीजिए तिवारी जी का क्षेत्र वक्सर। फिर यह सब मिला कर सर्कुलर रेलवे की बात होनी चाहिए। मैंने इस लिए यह सवाल उठाया है कि अगले बजट में आप प्रीपेअर हो कर आइये कि इसके बारे में आप की नीति क्या है। बिहार के मुख्य मंत्री ने भी इस के बारे में आपको लिखा है। वह ज्यादातर गड़बड़ काम करते हैं, लेकिन यह अच्छा काम किया है। आप को लिखा है कि सर्कुलर रेलवे बने...

आचार्य भगवान देव (अजमेर) : चीफ मिनिस्टर के बारे में "गड़बड़" शब्द कहना मुझे इस पर आपत्ति है, इस को निकाल दीजिए।

श्री रामावतार शास्त्री : यह अन-पार्लिमेंट्री शब्द नहीं है।

MR. DEPUTY-SPEAKER: I will go through the records.

श्री रामावतार शास्त्री : सर्कुलर रेलवे वहाँ बनाइये इसके बिना वहाँ के दैनिक यात्रियों को बहुत परेशानी है। इसकी वजह से जो तेज गाड़ियाँ आती हैं वे अनावश्यक रूप से विलम्बित हो जाती हैं। इसकी तरफ आप का ध्यान जाना चाहिए तथा जो जमीन लेनी हों, बिहार सरकार से बात कर के इस दिशा में शीघ्रता से कार्यवाही होनी चाहिए।

[श्री रामावतार शास्त्री]

दुसरो बरंत में मैरीन सर्विस के बारे में कहना चाहता हूँ। पानी के जो जहाज वहाँ चलते हैं उनको आप उठा रहे हैं। बोहपुर का आप ने उठा दिया, महादेवपुर घाट में जहाज चलना रोक दिया, उसी तरह से महेंद्रघाट के उठाने के चक्कर में हैं और बच्चाबाबू से आपकी दोस्ती ज्यादा बंध रही है। ऐसा मत कीजिए पानी के जो जहाज चलते हैं उनको ठोक से चलाइये। (व्यवधान) . . . बच्चा बाबू एक बहुत बड़े कान्ट्रेक्टर हैं, सोनपुर के हैं, उन के बेटे को पिछले चुनाव में असेम्बली का टिकट मिला था। वे बहुत बड़े प्राइवेट पानी के जहाज चलाने वाले हैं। उनको मत दीजिए और जो मैरीन सर्विस आप की वहाँ चलती है उस को ठोक कीजिए।

SHRI T. R. SHAMANNA (Bangalore South): Mr. Deputy Speaker, Sir, it was a genuine assurance given by the then Railway Minister Prof. Dandavate that the broad gauge line between Bangalore and Mysore will be completed within one year provided the Government of Mysore was to give facilities. Even if it is three years—it is a very slow pace—at this rate, I am afraid, that it would take more than 10 years to complete the Scheme. I would request the Railway Minister to see that the broad gauge between Bangalore and Mysore, a very busy line, be taken up and completed very early.

A large number of passengers have to go from Delhi to Kerala or to Bangalore by KK Express. It is running on alternate days. It is very difficult for the passengers. There is a great demand. I request the Railway authorities to see that instead of on alternate days, there is daily service of this KK Express. Instead of three days in a week, KK Express should be a daily train. I urge upon the Minister to see that without further delay this bottleneck is removed.

The Mahalakshmi Express comes late by 1 hour or 5 hours daily. One day it was 12 hours late. I should say that the time should be regulated and that the late running of trains, particularly of KK Express and Mahalakshmi Express be put an end to.

Assurances have been given to us that the railway system would be so modernised that the travelling public would be put to no inconvenience. But passengers are having hell of a time. I would like to say that the railway system should be made methodical and the inconveniences of the passengers should be removed in regard to reservation.

श्री मोतीभाई आर० चौधरी (मेहसाना):

उपाध्यक्ष महोदय, जो बिल इस समय लाया गया है मैं उस का विरोध करता हूँ। मंत्री जो ने कहा कि हम ने फेयर नहीं बढ़ाया है, लेकिन क्या किया गया है कि जो 50 पैसे से कम का टिकट था उस को 50 पैसे कर दिया है। जहाँ जहाँ मले लगते हैं वहाँ पर 50 पैसे का एक्स्ट्रा टिकट, जैसे मुगल बादशाहों के जमाने में लगाया जाता था लगा दिया है। मेरा आप से अनुरोध है कि कृषि की पैदावार के लिए जो इनपुट भेजा जाता है, उसको ढोने का रेट न बढ़ाया जाए। दूध की ढुलाई पर रेट न बढ़ाया जाये खाद की ढुलाई का भाड़ा भी न बढ़ाया जाए और कैंटन-फीड पर भी यह बढ़ोत्तरी न की जाए।

18.00 hrs.

उपाध्यक्ष महोदय, राजस्थान और गुजरात के बारे में मालों से मांग चली आ रही है। अहमदाबाद और दिल्ली के बीच मीटर गेज लाइन को ब्राड गेज में परिवर्तित किया जाए। इसके लिए कहा जाता है कि इतना पैसा खर्च होगा, क्या और लाइनों पर पैसा खर्च नहीं होता?

राजस्थान और गुजरात ये दो ही ऐसे राज्ज हैं, जिनकी राजधानियां ब्राडवेज से नहीं जुड़ी हुई हैं और इनको हर बार नजरअंदाज कर दिया जाता है। मेरा निवेदन है कि जल्दी से जल्दी इसके लिए बजट में प्रावधान किया जाए और जल्दी से जल्दी डब्लिंग का काम शुरू कर दिया जाए। अगर यह काम एक साथ शुरू नहीं किया जा सकता तो टुकड़ों में तो किया जा सकता है। पहले जमीन का सर्वेक्षण कर दिया जाए, इसके बाद आगे का कार्य किया जाए। सीमेंट के कई कारखाने राजस्थान में लग रहे हैं, इसलिए यह काम जल्दी से जल्दी हाथ में लिया जाए।

दूसरा मेरा कहना यह है कि आप नए जोन्स बनाने जा रहे हैं। पश्चिमी रेलवे का जोन गुजरात में गांधी नगर में होना चाहिए। यह भी सैलियों से चली आ रही है, इसकी मंजूर किया जाए।

एक बात की ओर मैंने बार-बार ध्यान खींचा है, 377 के माध्यम से भी मैंने ध्यान आकर्षित किया था और हर बार ध्यान खींचता हूँ कि कोयले की कमी के कारण जो गाड़ियां रद्द कर दी जाती हैं, जिनके कारण ऐसे लोग जो प्रतिदिन रोजगार के लिए जाते हैं, विद्यार्थी जो पढ़ने जाते हैं, उन सब को परेशानी होती है। इस तरह की कार्यवाही से लोग आन्दोलन के लिए और सत्याग्रहों के लिए प्रेरित होते हैं, इसलिए इस तरह से गाड़ियों को बन्द न किया जाए और यदि बहुत आवश्यक हो तो इस प्रकार की गाड़ियों को बन्द न किया जाए, जिनसे लोग प्रतिदिन आते जाते हैं।

इसी प्रकार से एक साधारण एक्सप्रेस गाड़ी है जो तीन दिनों में अहमदाबाद पहुंचती है। इसको बीच में

लोकल कर दिया जाता है। इसलिए लोगों को परेशानी होती है। यह गाड़ी जल्दी से जल्दी पहुंचे, ऐसी व्यवस्था की जाए।

रेल मंत्री (श्री केदार पांडे) : आप हमसे मिल लेना।

MR. DEPUTY-SPEAKER: The Minister will reply now. He will also reply only to the points raised and not make a general speech.

श्री केदार पांडे : मान्यवर, शास्त्री जी ने जो बात उठाई, बिहार की बात है, पटना की बात है। वहाँ पर दिल्ली की तरह सर्कुलर ट्रेन की बात नहीं है, वहाँ पर हम सबरबन शटल ट्रेन चलाना चाहते हैं। दिल्ली की तरह रिय रेल की बात वहाँ पर नहीं है। हम चाहते हैं कि वहाँ पर सबरबन शटल ट्रेन चला कर जो कंजेशन बहुत है, उसे खत्म किया जाए। पटना से बक्सर, पटना से कमामा और पटना से गया, यही तो तीन लाइनें हैं जहाँ पर कंजेशन बहुत होता है, क्राउड बहुत ज्यादा है, क्योंकि लोग प्रतिदिन पटना नौकरी करने जाते हैं और शाम को फिर अपने स्थान पर चले जाते हैं। दूसरी वहाँ पर फास्ट ट्रेन्स चलती हैं, ये भी वहीं चलती है जो लोगों को परेशानी होती है जो लोग छतों पर बैठ जाते हैं। उसका इलाज करना है, इसके बारे में चीफ मिनिस्टर ने चिट्ठी लिखी है कि हम जमीन जरूर देंगे। इस पर हम विचार करेंगे। इस में कांग्रेस या कम्युनिस्ट की बात नहीं है, डेवेलपमेंट की बात है।

दूसरा शामला जी ने बंगलौर मसूर जो नौज कंजेशन है, उसके बारे में काम हो रहा है और जल्दी से जल्दी इसको हम एक्सपीडाइट करेंगे। यही ही मुख्य बातें हैं। इसके अलावा जो बातें हैंगी,

[श्री केदार पांडे]

उसके बारे में मुझ से मिल कर बात करें,
जहाँ तक ही संकेगा जरूर एडजस्ट करने
की कोशिश करेंगे।

श्री रामावतार शास्त्री : बच्चा बाबू
के बारे में क्या हुआ ?

श्री केदार पांडे : बच्चा बाबू की
बात न कही जाए, आँसू भ्रम है।

MR. DEPUTY-SPEAKER: The
question is:

"That the Bill to provide for the
authorisation of appropriation of
moneys out of the Consolidated
Fund of India to meet the amounts
spent on certain services for the
purposes of Railways during the
financial year ended on the 31st day
of March, 1980, in excess of the
amounts granted for those services
and for that year, be taken into
consideration."

The motion was adopted.

MR. DEPUTY-SPEAKER: We shall
now take up the Clauses. The ques-
tion is:

"That Clauses 2 and 3 and the
Schedule stand part of the Bill."

The motion was adopted.

*Clauses 2 and 3 and the Schedule
were added to the Bill.*

*Clause 1, the Enacting Formula and
the Title were added to the Bill.*

SHRI KEDAR PANDAY: I beg to
move:

"That the Bill be passed".

MR. DEPUTY-SPEAKER: The ques-
tion is:

"That the Bill be passed".

The motion was adopted.

APPROPRIATION (RAILWAYS)
NO. 7 BILL*, 1981

THE MINISTER OF RAILWAYS
(SHRI KEDAR PANDAY): Sir, I beg
to move for leave to introduce a Bill
to authorise payment and appropria-
tion of certain further sums from and
out of the Consolidated Fund of India
for the services of the financial year
1981-82 for the purposes of Railways.

MR. DEPUTY-SPEAKER: The
question is:

"That leave be granted to intro-
duce a Bill to authorise payment
and appropriation of certain fur-
ther sums from and out of the Con-
solidated Fund of India for the ser-
vices of the financial year 1981-82 for
the purposes of Railways."

The motion was adopted.

SHRI KEDAR PANDAY: Sir, I in-
troduce† the Bill.

I beg to move:

"That the Bill to authorise pay-
ment and appropriation of certain
further sums from and out of the
Consolidated Fund of India for the
services of the financial year 1981-82
for the purposes of Railways, be
taken into consideration."

MR. DEPUTY-SPEAKER: The
question is:

"That the Bill to authorise pay-
ment and appropriation of certain
further sums from and out of the
Consolidated Fund of India for the

*Published in Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 2, dated
15.12.1981.

†Introduced/Moved with recommendation of the President.